आंसुओ से पिघलता मेरा श्याम है

आँसुओं से पिघलता मेरा श्याम है,
देख सकता है श्याम कुछ भी होते हुए,
नहीं ये नही देख सकता हमें रोते हुए,
नहीं ये नही देख सकता हमें रोते हुए।

द्रोपदी ने जो रो रो बुलाया इसे,
बनके साड़ी का पल्ला बचाया उसे,
बनके साड़ी का पल्ला बचाया उसे,
लाज जाएगी ना इसके होते हुए,
नही ये नही देख सकता हमें रोते हुए,
नहीं ये नही देख सकता हमें रोते हुए,
देख़ सकता है श्याम कुछ भी होते हुएँ,
नहीं ये नही देख सकता हमें रोते हुए,
नहीं ये नही देख सकता हमें रोते हुए।

नानी नरसी जो आँसूं बहाने लगे,
रोते रोते वो तुझको बुलाने लगे,
रोते रोते वो तुझको बुलानें लगे,
देखा सबने मायरा इसको भरते हुए,
नही ये नही देख सकता हमें रोते हुए,
नहीं ये नही देख सकता हमें रोते हुए,
देख़ सकता है श्याम कुछ भी होते हुएँ,
नहीं ये नही देख सकता हमें रोते हुए,
नहीं ये नही देख सकता हमें रोते हुए।

रो पड़ा जब सुदामा तेरे द्वार पे,
तूने सब कुछ लुटा डाला उस यार पे,
तूने सबकुछ लूटा डाला उस यार पे,
देखा सबने रंक को राजा होते हुए,
नही ये नही देख सकता हमें रोते हुए,
नहीं ये नही देख सकता हमें रोते हुए,
देख़ सकता है श्याम कुछ भी होते हुएँ,
नहीं ये नही देख सकता हमें रोते हुए,
नहीं ये नही देख सकता हमें रोते हुए।

आँसुओं से पिघलता मेरा श्याम है,
जो पुकारा है रो रो किया काम है,
जो पुकारा है रो रो किया काम है,

श्याम को डर नही इनके होते हुए,
नहीं ये नहीं देख सकता हमें रोते हुए,
नहीं ये नही देख सकता हमें रोते हुए,
देख़ सकता है श्याम कुछ भी होते हुएँ,
नहीं ये नही देख सकता हमें रोते हुए,
नहीं ये नही देख सकता हमें रोते हुए.......

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23700/title/aansuo-se-pighalta-mera-shyam-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |